ओवरटाइम थ्रिलर में स्पेन ने जर्मनी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली।
मिकेल मेरिनो के 119वें मिनट के विजयी गोल ने टूर्नामेंट के मेजबान जर्मनी को बाहर कर दिया और स्पेन ने स्टटगार्ट के एमएचपी-एरेना में यूरो 2024 में सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। दोनों टीमें नियमित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं और मैच को अतिरिक्त समय में खींच लिया गया, जहां ओल्मो के सटीक क्रॉस ने मेरिनो को निर्णायक गोल करने में मदद की। दोनों पक्षों को संघर्ष में पैर जमाने के लिए कुछ समय की आवश्यकता थी, क्योंकि कई फाउल ने खेल के प्रवाह को बाधित कर दिया था। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, स्पेन ने नियंत्रण हासिल कर लिया और लंबी दूरी के प्रयासों से मौके बनाए। हालाँकि, निको विलियम्स और फैबियन रुइज़ में सटीकता की कमी थी, जबकि लैमिन यमल ने फ्री-किक को बाहर मार दिया। जर्मनी बैकफुट पर रहा लेकिन आयमेरिक लापोर्टे और दानी ओल्मो दूर से गोलकीपर मैनुएल नेउर को मात नहीं दे सके। काई हैवर्ट्ज़ ने स्पेन के गोलकीपर साइमन यूनाई को कार्रवाई के लिए मजबूर करने के बाद पहले हाफ के समापन चरण में जर्मनी के लिए पहला स्पष्ट अवसर पैदा किया। स्पेन ने दूसरे हाफ में शानदार शुरुआत की क्योंकि अल्वारो मोराटा बॉक्स के अंदर से टर्न शॉट के साथ लक्ष्य से चूक गए, इससे पहले ओल्मो ने अंततः 51वें मिनट में गतिरोध तोड़ दिया जब लीपज़िग के खिलाड़ी ने 14 मीटर से पहले प्रयास के साथ यमल के निचले पास को बाएं कॉर्नर में पहुंचा दिया। जूलियन नगेल्समैन के खिलाड़ियों ने तुरंत जवाब देने की कोशिश की लेकिन या तो अंतिम पास गायब था, या स्पेन की रक्षा ने आखिरी समय में गेंद को क्लीयर कर दिया। जर्मनों ने दबाव बढ़ा दिया क्योंकि साइमन ने निकेलस फुलक्रग द्वारा पोस्ट को हिट करने से पहले लक्ष्य पर रॉबर्ट एंड्रिच के शॉट को बचा लिया था। हैवर्ट्ज़ को स्कोर बराबर करना चाहिए था लेकिन उन्होंने 22 मीटर से खाली लक्ष्य के ऊपर से गेंद को निकाल दिया। स्पेन अपने क्षेत्र से बाहर नहीं निकल सका और उसने बराबरी का गोल दे दिया क्योंकि जोशुआ किम्मिच ने मुश्किल कोण से हैडर लगाकर फ्लोरियन विर्ट्ज़ को गेंद दी, जिन्होंने बराबरी का गोल दाग दिया। जर्मनी के कोच नगेल्समैन ने कहा, सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन को बधाई। हम दूसरे हाफ में बेहतर थे और 60वें मिनट के बाद से, हम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थे। हमारा अंतिम लेवलर योग्य था। हमने आखिरी मौके पर विजयी गोल दे दिया। यह काफी दर्दनाक था।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानंद और गुकेश नहीं दे सके टक्कर, फैबियानो कारुआना ने सुपरबेट क्लासिक में बरकरार रखा खिताब

बुचारेस्ट । प्रज्ञानंद और डी गुकेश जैसे शीर्ष भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रभावित नहीं कर सके और इन्हें चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञानंद और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए। प्रज्ञानंद मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे। यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञानंद ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली जिससे विजेता का फैसला करने के लिए चार खिलाड़ियों के बीच टाइब्रेकर की स्थिति बन गई। कारुआना ने दिखाया कि आखिर उन्हें क्यों टाइब्रेकर का मास्टर कहा जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे युवा पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग अगले माह होंगी रोड्स को बनाया गया ब्रांड एंबेसडर

जोहांसबर्ग । यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व

क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। महानतम वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे।

ईशान ने हार्दिक को चैंपियन बताया, प्यार से गले मिले

मुम्बई । क्रिकेटर ईशान किशन टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद घर पहुंचे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से मिलने उनके घर पहुंचे और उन्हें गले लगा लिया। ईशान और हार्दिक आईपीएल में भी एक साथ खेलते आये हैं। इन दोनो का ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें ईशान पंड्या के घर पहुंचने के बाद उनसे गले मिलते और उन्हें चूमते दिखाई दे रहे हैं। ईशान ने वीडियो के साथ लिखा, पिछले कुछ महीनों में आपने बहुत सी मुश्किल चीजों का सामना किया, फिर भी आप शांत बने रहे। वहीं आज आपको अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा का परिणाम विश्वकप में मिला है। मैं और भी बहुत कुछ महसूस करता हूं और कहना चाहता हूं लेकिन शब्द कम पड़ जाएंगे। आप एक चैंपियन हैं। इससे पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान पंड्या ने कहा कि भारतीय टीम टी20 क्रिकेट विश्व कप फाइनल के दौरान शांत थी और उसे हमेशा विश्वास था कि वे जीत सकते हैं। हार्दिक ने कहा कि पिछले 6 महीने मेरे जीवन में बहुत सारे उतार-चढ़ाव रहे हैं और प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी पर मुझे हमेशा लगा कि अगर मैं कोई जवाब दूंगा तो वह खेल के माध्यम से होगा। इसलिए मैंने अपने खेल पर ध्यान दिया।

यूरो कप 2024 में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हुई पुर्तगाल, अब स्पेन से सामना

बर्लिन ।
फ्रांस की टीम यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हरा दिया। इस हार के साथ पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई, जबकि फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था।

120 मिनट तक दोनों में से कोई भी टीम गोल करने में नाकाम रही थी। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में मैच गया। इससे पहले पुर्तगाल और फ्रांस दोनों ने ही कुछ आसान मौके गंवाए थे। पुर्तगाल के लिए विटिन्हा और ब्रूनो फर्नांडीस ने मौके बनाए, लेकिन पुर्तगाल की टीम फायदा नहीं उठा सकी। फ्रांस के गोलकीपर मैगनन ने कुछ शानदार बचाव किए।

फ्रांस की ओर से कोलो मुआनी ने गोल की कोशिश की, लेकिन पुर्तगाल के डिफेंडर रुबेन डियास ने गोल बचाने वाला ब्लॉक किया। एक्स्ट्रा टाइम में दोनों ही टीमें डिफेंसिव अप्रोच के साथ उतरी थीं। काउंटर अटैक करने की जगह दोनों टीमें गोल बचाने पर ध्यान दे रही थीं। पुर्तगाल के नूनो मेंडीज के पास एक्स्ट्रा टाइम में गोल करने का मौका था, लेकिन बॉक्स के कोने से उनके शॉट को रोक लिया गया।

इसके बाद पेनल्टी शूटआउट की शुरुआत हुई। फ्रांस की टीम ने पहले किक लिया। उसमान डेम्बेले ने गोल दाग उन्हें 1-0 से आगे कर दिया। पुर्तगाल की ओर से रोनाल्डो ने पहला शॉट लिया और गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। फ्रांस की ओर से दूसरा शॉट यूसुफ फोफाना ने लिया और स्कोर 2-1 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से बर्नार्डो सिल्वा आए और स्कोर 2-2 कर दिया। फ्रांस की ओर से तीसरा शॉट जूल्स कूंडे ने लिया और स्कोर 3-2 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से जोआओ फेलिक्स शॉट लेने आए और चूक गए। स्कोर 3-2 ही रहा। फ्रांस की ओर से चौथा शॉट ब्रैडली बार्कोला ने लिया और स्कोर 4-2 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से नूनो शॉट लेने आए और स्कोर 4-3 कर दिया। फ्रांस के थियो हर्नांडीज पांचवां शॉट लेने आए और उनके पास अपनी टीम को जिताने का मौका था और उन्होंने गोल दाग फ्रांस की टीम को 5-3 से जीत दिला दी। फ्रांस की टीम छठी बार यूएफा यूरो कप का फाइनल खेलेगी।

उनसे ज्यादा बार सेमीफाइनल जर्मनी ने खेला है। जर्मनी की टीम ने आठ बार सेमीफाइनल खेला है। फ्रांस की टीम पिछले पांच में से चार मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। इनमें विश्व कप और यूरो कप शामिल हैं। 2020 यूरो कप में यह टीम राउंड ऑफ-16 से बाहर हो गई थी। पुर्तगाल की टीम किसी मेजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर सिर्फ दो बार हारी है। इनमें साल 2022 फीफा विश्व कप और 2024 यूरो कप शामिल है। इसके अलावा बाकी छह क्वार्टर फाइनल में टीम ने जीत हासिल की थी। यह पुर्तगाल के महान डिफेंडर पेपे का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच भी था।

स्पेन सेमीफाइनल में, मेजबान जर्मनी बाहर

माइकल मेरिनो के अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी को 2-1 से पराजित करके यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। जब मैच पेनल्टी शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था तब स्थानापन्न खिलाड़ी मेरिनो ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। मेरिनो ने गोल करने के बाद कॉर्नर फ्लैग के पास उसी तरह से जश्न मनाया जैसे उनके पिता मिगुएल मेरिनो ने 1991 में यूएफा कप में इसी स्टेडियम में खेले गए मैच में ओसासुना की तरफ से स्टुटगार्ट के खिलाफ गोल करने के बाद मनाया था।

संन्यास के बाद कमेंट्री और कोचिंग करेंगे एंडरसन

लंदन ।
इंग्लैंड के सबसे अनुभवी और उम्रदराज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह सन्यास के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। 41 साल के एंडरसन ने मई में ही घोषणा कर दी थी कि वह 10 जुलाई को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेलेंगे। एंडरसन ने कहा है कि है कि वह अपने करियर को अलविदा कहने के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। साथ ही कहा कि अभी वह इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता कि आगे क्या होगा पर मुझे खेल के बारे में बात करना पसंद है। मुझे गेंदबाजी के बारे में बात करना और इसके तकनीकी पक्ष में को लेकर आगे बढ़ना होगा। मैंने टीवी और रेडियो पर कमेंट्री की है, इसलिए मैं शायद ये दोनो पेशे ही अपनाउंगा। इससे पहले इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब ने कहा था कि एंडरसन मेंटर की भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। रॉब के अनुसार प्रशंसक आगे भी एंडरसन को मेंटर के रूप में टीम के साथ देखेंगे। रॉब ने कहा, एंडरसन हमारे सेट-अप में बने रहेंगे, और वह मेंटर के रूप में मदद करेंगे। हम एक बेहतरीन कोच विकास कार्यक्रम स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे एंडरसन करना चाहते हैं, इसपर हम गर्मियों के अंत में इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए हम उसे जाते हुए नहीं देखना चाहते हैं पर लॉर्ड्स में उनके बाहर होने से यह काफी बड़ा अवसर होगा। एंडरसन ने संन्यास को लेकर कहा, यह एक अजीब एहसास है जब आप 20 साल तक कुछ करते हैं और फिर अचानक आपको कुछ और करना पड़ता है। टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उन्हें जो चीजें नहीं मिलीं उनके बारे में एंडरसन ने कहा कि उन्हें टेस्ट हैट्रिक और शतक बनाना बहुत अच्छा लगता। एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का उन पर सबसे अधिक प्रभाव रहा है, क्योंकि उन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत स्पष्टता दी। उन्हें अपने पूर्व कप्तान की तीव्रता और दृढ़ता भी पसंद थी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने स्विंग के साथ-साथ रिवर्स स्विंग में विशेषज्ञता के साथ ही लाल गेंद के क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाया है।

रोहित, सूर्यकुमार सहित मुम्बई के चार क्रिकेटरों का महाराष्ट्र विधान भवन में सम्मान हुआ

मुंबई ।

टी20 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल मुम्बई के क्रिकेटरों कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे का महाराष्ट्र विधान भवन में शानदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 11 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की भी घोषणा की। शिंदे ने अपने भाषण में विश्व कप में पाकिस्तान पर मिली जीत के अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में सूर्यकुमार के कैच की जमकर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने मुंबई पुलिस की भी विजय परेड को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए प्रशंसाक की।। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडनवीस भी उपस्थित थे।

पवार ने रोहित के टी20 से संन्यास को लेकर कहा कि हमें आपकी कमी खलेगी पर हम आपको और आपकी उपलब्धियों को हमेशा ही याद रखेंगे। वहीं फडनवीस ने कहा कि रोहित का नाम अब हमेशा के लिए क्रिकेट इतिहास में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रोहित ने हमें एक ही दिन में अच्छी और बुरी खबर दोनों दीं। उन्होंने टी 20 विश्व कप जीता पर साथ ही टी 20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में संन्यास की घोषणा भी कर दी।

वहीं रोहित ने कहा कि फाइनल में सभी के प्रयासों से टीम को जीत मिली। इतने लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट विश्व कप भारत लाकर हमने जो सपना देखा था वह सच हो गया। यह टीम प्रयासों का ही परिणाम था। वहीं मजाकिया लहजे में कहा कि सूर्यकुमार ने सभी से कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि गेंद उन्होंने पकड़ ली । अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो उसे अगले मैच में नहीं रखते। सूर्यकुमार और शिवम दुबे ने कहा कि हमें जिस प्रकार का सम्मान मिला है उसे हम भुला नहीं पायेंगे।

नीरज चोपड़ा की मां ने कहा, पीएम मोदी को इस बार देशी घी और शक्कर से बना खास चूरमा खिलाएंगे

नई दिल्ली।
पेरिस ओलंपिक 2024 के आयोजन में अब कुछ ही दिन बचे हैं। यह 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा, इसके लिए 120 सदस्यीय भारतीय दल रवाना हो रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा समेत सभी एथलीटों से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस बार ओलंपिक में भारतीय दल का नेतृत्व करने जा रहे नीरज चोपड़ा से उन्होंने खाने की खास डिमांड भी की। पीएम मोदी ने गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से उनकी मां के हाथों से बना चूरमा खाने के लिए कहा। नीरज ने ओलंपिक से लौटकर पीएम मोदी को मां के हाथ का बना खास चूरमा खिलाने का वादा किया।

पीएम मोदी से मुलाकात पर नीरज चोपड़ा की मां ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने अगर चाहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशी घी और शक्कर से बना खास चूरमा खिलाएंगे। पहले भी चूरमा स्पेशल था, लेकिन इस बार उससे भी ज्यादा खास चूरमा पीएम मोदी के लिए भेजेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि नीरज इस बार भी गोल्ड मेडल जीतेगा। नीरज चोपड़ा के पिता सतीश चोपड़ा ने भी अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नीरज की तैयारी बहुत बढ़िया है। उनकी इंजरी अब पूरी तरह

से ठीक हो चुकी है, जिसकी वजह से उन्हें दो तीन इवेंट छोड़ना पड़ा था। उसने मुझसे कहा है कि वो देश की शान के लिए खेल में 100 प्रतिशत देगा। इसके लिए वो लगातार 7 से 8 घंटे अभ्यास कर रहा है। नीरज ने कहा है कि वो देश को गोल्ड मेडल जिताने के लिए जान लगा देगा। पीएम मोदी से नीरज चोपड़ा की मुलाकात पर उनके चाचा भीम चोपड़ा ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक अच्छे प्रशासक के अलावा अच्छे इंसान भी हैं। वो हर खिलाड़ी को बराबर का सम्मान देते हैं। अभी हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम से मिलकर उन्हें बधाई दी। ओलंपिक खिलाड़ियों का भी उन्होंने हमेशा हौसला बढ़ाया है। नीरज की तैयारी बहुत अच्छी चल रही है। उन्होंने कहा है कि बढ़िया खेल कर देश का नाम रोशन करुंगा। यह परिवार के लिए बड़े ही गौरवशाली पल होंगे, जब नीरज भारतीय दल का नेतृत्व करेगा। अब उसके कंधों पर देश की जिम्मेदारी बढ़ गई है। मुझे उम्मीद है कि इस बार ओलंपिक में हमारे मेडल ज्यादा आएंगे। नीरज और हमारे सभी खिलाड़ियों को फिर से पीएम मोदी से मुलाकात कर उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

साइना नेहवाल बोलीं- पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते

नई दिल्ली ।
लंदन ओलंपिक की कांस्य विजेता साइना नेहवाल ने दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू का समर्थन करते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए उनके हालिया प्रदर्शन को पैमाना नहीं बनाया जाना चाहिये और वह समय पर लय हासिल कर लेंगी। साइना ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की संभावना काफी हद तक फिटनेस और अभ्यास पर निर्भर करेगी।

सिंधू फ्रांस की राजधानी में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रयास करेंगी। सिंधू ने घुटने की चोट से उबरने के बाद इस साल फरवरी में खेल में वापसी की है। चोट से वापसी के बाद सिधू के खेल में निरंतरता कमी रही है। वह इस दौरान सिर्फ मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में पहुंची है और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ा है।

साइना ने कहा, आप पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी भी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते। सिंधू कई वर्षों से वास्तव में अच्छा खेल रही है और उसके पास काफी अनुभव है। यह सिर्फ इतना है कि उस विशेष टूर्नामेंट में क्या होता है, यह उस समय पर निर्भर करेगा जब आयोजन शुरू होगा। पिछले छह सात महीने में वह ज्यादा मैच नहीं जीती है लेकिन यह मुकाबले काफी करीबी रहे हैं।

उन्होंने कहा, कई बार जीत या हार आपकी लय को नहीं दिखाते हैं लेकिन आप कभी भी इसे

हासिल कर सकते है। शीर्ष स्तर पर सभी खिलाड़ी वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। मुझे यकीन है कि सिंधू लय और पदक हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत पूरी कोशिश कर रही होंगी। सिंधू के लिए पिछले कुछ समय में सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह रही है कि वह मैच पर पकड़ बनाने के बाद उसे जीत में नहीं बदल पा रही है।

सिंधू इस समय जर्मनी के सारब्रुकन में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को को अंतिम रूप दे रही हैं। साइना ने कहा कि ऐसी चिंताओं (अच्छी स्थिति से मैच हारना) से छुटकारा पाने के लिए अभ्यास ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने कहा, इन खामियों को अभ्यास से ही दूर किया जा सकता है। आपके अभ्यास में कमी है तो कोई भी खिलाड़ी आपको हरा सकता है लेकिन अगर अपने अच्छे से प्रशिक्षण लिया है तो ऐसी चीजें कम होंगी। यह वास्तव में मायने रखता है।

साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। हैदराबाद की इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पुरुष युगल में हमारे पास स्वर्ण जीतने की बहुत मजबूत संभावना है।

उन्होंने कहा, पुरुष एकल बहुत मुश्किल है क्योंकि उनमें से 10-11 खिलाड़ी समान स्तर पर हैं। मुझे यकीन है कि हम परिणाम केवल उस विशेष तारीख पर ही जान पाएंगे क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि एक खिलाड़ी उस टूर्नामेंट में कैसा खेलेगा। पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन भारत की कमान संभालेंगे। घुटने की चोट के कारण पिछले साल जून में सिंगापुर ओपन के पहले दौर से बाहर होने के बाद से साइना ने कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। साइना ने कहा कि वह वापसी की कोशिश कर रही है लेकिन घुटने की चोट से हाल फिलहाल में ऐसा संभव नहीं है।